CHRIST CHURCH COLLEGE ,KANPUR

DEPARTMENT OF CHEMISTRY

Organizes a Webinar on

DISPOSAL OF BIOMEDICAL WASTE

SPEAKER

Dr Chitra Srivastava

Scientific Officer

UP Pollution Control Board ,Kanpur

On 26th August 10:30 AM onwards

Dr Joseph Daniel — Principal
Dr Sudhir Gupta — Coordinator
Dr Shweta Chand — Convener
Dr Sunita Verma — Organizing Secretary

Organizing Committee

Dr Jyotsana Lal // Dr Meetkamal // Dr Ashim K. Nathaniel //Dr Anindita Bhattacharya

Registration Link: https://forms.gle/vJHagGazB4x7ixDt8

(All Participants will get an E certificate after filling the feedback form)

वेबिनार | कोरोना काल में बायोमेडिकल कचरे के निस्तारण में जरा सी लापरवाही पड़ेगी भारी

मेडिकल वेस्ट हो गया और घातक

जागरण संवाददाता, कानपुर : कोविड-19 में अस्पतालों से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट और घातक हो गया है। इसके प्रबंधन में जरा सी लापरवाही से बड़ा नुकसान हो सकता है। इस प्रकार का बायो कचरा अगर लगातार डंप किया जाता है तो पर्यावरण के लिए नासूर बन सकता है। इसके अलावा अगर इसे जलाया जाता है तो उससे निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों को बहुत बीमार कर सकता है। यह बातें क्राइस्ट चर्च डिग्री कॉलेज के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से बुधवार को 'डिस्पोजल ऑफ बायोमेडिकल वेस्ट' विषय पर हुए वेबिनार की मुख्य वक्ता व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में साइंटिफिक ऑफिसर डॉ. चित्रा श्रीवास्तव ने कहीं।

उन्होंने बताया कि इंसीनरेटर के जरिए ही इसे नष्ट किया जाना चाहिए। भस्मीकरण संयंत्र से ऐसे अपशिष्ट का प्रबंधन सबसे सुरक्षित उपाय है। इस प्रकार के मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण की नैतिक जिम्मेदारी सभी की है इसलिए ऐसे कचरे को मरीज व उसके तीमारदार खुले में न फेंके। इसके अलावा अस्पताल में मेडिकल वेस्ट के लिए अलग-अलग रंगों के डस्टबिन भी होने चाहिए।

48 घंटे के अंदर अस्पताल का सारा कचरा उठा लेती है पोल्यूशन कंट्रोल कमेटी

पीले रंग के डस्टबिन में संक्रमित कचरा, रोगी का कचरा व प्रयोगशाला का कचरा डाला जाता है। लाल रंग के डस्टबिन में संक्रमित प्लास्टिक कचरा, कैथेटर, कैनुला, सीरिंज, ट्यूब व आइवी बोतलें का कचरा डाला जाता है। पॉलीविनाइल क्लोराइड डस्टबिन 'पीवीसी डस्टबिन' में ग्लास का टूटा सामान, इंजेक्शन, स्लाइड व कांच की सिरिंज आदि डाले जाते हैं। यह सारा कचरा अस्पताल के कक्ष से मेडिकल पोल्यूशन कंट्रोल कमेटी की गाड़ी से 48 घंटे के अंदर उठा लिया जाता है। अगर यह चेन टूटती है तो संक्रमण फैलना स्वाभाविक है। वेबिनार में कॉलेज डॉ. जोजेफ डेनियल, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सबीना बोदरा व वेबिनार आयोजन सचिव डॉ. सुनीता वर्मा समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।